हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 82, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 सितम्बर, 2021 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

देश में लम्बे समय तक संकीर्ण एजेंडे में चली सरकारें : सीएम

वाराणसी में मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध सम्मेलन को किया संबोधित

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के रविवार को आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन के तहत वाराणसी में प्रबुद्ध सम्मेलन को सम्बोधित किया। इससे पहले उन्होंने वाराणसी के सर्किट हाउस में विकास कार्य के साथ ही कोविड तथा बाढ़ के बाद की स्थिति की समीक्षा की। भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। शिक्षक दिवस पर डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को स्मरण किया। उनके योगदान को नमन करते हुए शिक्षकों को सम्मानित किया।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में 1947 से सरकारें चली आ रही हैं। इतने लम्बे समय बाद भी सरकार का विकास का विजन तय नहीं हो पाता था, अपने एक संकीर्ण एजेंडे के साथ सरकारें आती-जाती थीं। एक नेतृत्व वो था जिसने आजादी के तत्काल बाद सोमनाथ मंदिर के कार्य के शुभारंभ का विरोध किया था और एक नेतृत्व आज है जो अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण कार्य के लिए प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर 5 सदी के इंतजार को दूर कर गौरव की अनुभूति कर रहा है। पूर्व की सरकारें संकीर्ण एजेंडे के साथ आती थीं, इसे काशी ने महसूस किया होगा। काशी एक नया उदाहरण जन्म से अंतिम यात्रा तक बनी है। यही विकास पूरे प्रदेश के विकास का आधार था। काशी में प्रवासी भारतीय दिवस पीएम के निर्देशन में मनाया गया था। प्रवासियों की इच्छा भारत में आने की होती थी लेकिन नहीं आ पाए। यह सौभाग्य पीएम ने दिया। हमने प्रवासी नगर बनाया, टेंट सिटी बनाया था। यह सबसे शानदार प्रवासी सम्मेलन था। पूर्व में राज्य की राजधानियों में होता था। काशी में जो हुआ वह प्रयाग राज कुम्भ में भी हुआ। शासन की योजनाओं से उसकी नीयत का पता चल जाता है। कुम्भ व प्रवासी सम्मेलन ने शासन की नीयत साफ कर दी। उतर प्रदेश ने चार वर्ष में पीएम के विजन को सार्थक किया। इसको बनाने

में सभी का योगदान रहा। प्रदेश के बारे में अच्छी धारणा बनाई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के बाद भारतीयता से जुड़े लोगों को हतोत्साहित किया गया। इससे इतर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय आस्था व संस्कृति की आत्मा की पहचान वाले देश के स्थानों की पहचान को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया गया। योग दिवस व कुंभ को वैश्विक आयाम मिला। एक नेतृत्व ने सोमनाथ के निर्माण का विरोध किया तो आज अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। काशी में विश्वनाथ धाम कारिडोर बन रहा है। महात्मा गांधी ने 1916 में काशी की गंदगी का उल्लेख किया। आज काशी, नई काशी के रूप में प्रस्तुत है। मां विंध्यवासिनी धाम योजना के साथ ही मथुरा आदि में जो योजनाएं लागू हो रही हैं उससे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में प्रथम बार दीपोत्सव के आयोजन का उल्लेख किया। कहा कि इससे प्रजापति समुदाय को रोजगार का अवसर मिला। प्लास्टिक पर प्रतिबंध का फायदा यह हुआ है कि मिट्टी के बर्तन का निर्माण ज्यादा होने लगे। मिट्टी मूर्ति निर्माण की संख्या बढ़ी है। उससे कुंभकारों का फायदा हुआ है। पीएम के आत्म निर्भर भारत के विजन ने देश का कल्याण किया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी से राधा कृष्ण का सम्बंध है। इसके निर्माण में सभी का योगदान अविस्मरणीय बीएचयू परिवार मानता है। सनातन धर्म का केंद्र काशी प्राचीन काल से रहा है। काशी को जानने व देखने की उत्सुकता सदा से बनी रही है। लोग इसके भौतिक स्वरूप नहीं देख पाते थे। पिछले सात वर्षों से काशी अपने नए कलेवर के रूप में पुरातन कलेवर का स्वरूप बनती जा रही है। भैतिक विकास के रूप में काशी जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप बढ़ रही है। हमें भी अवसर मिला यह हमारा सौभाग्य है। पीएम के संकल्प के साथ विकास का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। काशी के साथ ही अन्य स्थलों पर भी विकास के कार्य पूरे हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दंगों के बिना कोई त्योहार नहीं होता था, चार सालों में प्रदेश में व्यापक परिवर्तन दिखाई पड़ रहा है। सभी ने अपने क्षेत्र में कार्य किया।

ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी कल ईडी के सामने पेश होंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी सोमवार को दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश होंगे। बता दें कि ईडी ने अभिषेक को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में तलब किया है। इससे पहले उनकी पत्नी को भी एजेंसी की तरफ से बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने कोरोना महामारी का हवाला देते हुए अपने घर पर पूछताछ करने का अनुरोध किया था। अभिषेक बनर्जी लोकसभा में डायमंड हार्बर सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं। इस बीच टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि मैं भाजपा नेताओं से आग्रह करता हूं कि मेरे साथ 5 मिनट बैठें। अगर मैं उन्हें बेनकाब नहीं कर पाया, तो मैं फिर से राजनीतिक क्षेत्र में कदम नहीं रखूंगा। रिश्वत लेते कैमरे में कैद होने की बात आती है तो ईडी और सीबीआई आंखें मूंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि वे टीएमसी के साथ राजनीतिक रूप से नहीं लड़ सकते थे, इसलिए अब वे प्रतिशोध की राजनीति में आ गए हैं। वे अपने राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। अभिषेक ने कहा कि मैं किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। अगर वे मेरे खिलाफ सबूत पेश कर सकते हैं, तो मेरे खिलाफ ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल करने की कोई जरूरत नहीं है।

केरल में निपाह का खतरा: 12 साल के बच्चे की मौत, संपर्क में आए दो स्वास्थ्यकर्मी

तिरुवनंतपुरम। केरल में एक ओर कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। वहीं, दूसरी ओर निपाह वायरस भी पैर पसार रहा है। कोझीकोड में आज तड़के निपाह वायरस से एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। 3 सितंबर को बच्चे की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। शनिवार को बच्चे को एक निजी अस्पताल के आईसीयू में दाखिल कराया गया। रविवार सुबह पांच बजे बच्चे ने दम तोड़ दिया। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने बताया कि बच्चे के संपर्क में आए 20 लोगों को हाई-रिस्क कैटेगरी में रखा गया है, उनमें से दो में लक्षण दिखने लगे हैं। दोनों ही स्वास्थ्यकर्मी हैं। एक कोझिकोड़ के सरकारी अस्पताल का कर्मी है, जबकि दूसरा निजी अस्पताल में है। इससे पहले पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने निपाह वायरस से बच्चे की मौत की पुष्टि की है। इंस्टीट्यूट ने बताया कि बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह दल राज्य को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। केंद्र ने कुछ तात्कालिक लोक स्वास्थ्य कदम उठाने का परामर्श दिया है जिसमें पीड़ित लड़के के परिवार, अन्य परिवारों, गांव एवं आसपास की स्थिति वाले इलाकों खासकर मल्लापुरम में संक्रमण के मामलों की तलाश करेगी। बच्चे की

मौत पर केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने कहा, 12 साल के बच्चे की निपाह वायरस से मौत की पुष्टि हुई है। हमने पहले ही कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग शुरू कर दी है और हालात का जायजा लेने में जुटे हैं। एनसीडीसी की टीम भी हमारा सहयोग कर रही है।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹हमने अब तक लड़के के 188 प्राथमिक संपर्कों का पता लगा लिया है। इनमें से 20 लोग हाई-रिस्क (जोखिम) वाली श्रेणी में रखे गए हैं। हमने निपाह से संक्रमित हुए लड़के के घर के तीन किमी के दायरे में लॉकडाउन लगा दिया है। तमिलनाडु ने केरल की सीमा से लगने वाले नौ सीमावर्ती जिलों में आने वाले लोगों की निगरानी के लिए कदम उठाए हैं। रविवार को प्रदेश के चिकित्सा और परिवार कल्याण मंत्री मा सुब्रमण्यन इस संबंध में मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पहले से ही केरल की सीमा से लगे नौ जिलों की निगरानी कर रहे हैं। हम निपाह और जीका वायरस के प्रसार को रोकने के लिए जिलों में घर-घर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इनके मद्देनजर जरूरी स्वास्थ्य सलाह भी जारी की गई है। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने जैसे उपायों में तेजी लाने के लिए कहा गया है। मंत्री ने कहा कि नौ जिलों के स्वास्थ्य अधिकारी सीमावर्ती जिलों में प्रवेश करने वालों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के अलावा यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग आदि की जांच कर रहे हैं। लोगों को (तमिलनाडु में) प्रवेश करने की अनुमति तभी दी जा रही है, जब उनके पास कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण पत्र हो और आरटी-पीसीआर नकारात्मकता रिपोर्ट हो।

महापंचायत में टिकैत के सियासी बोल, मोदी-शाह को बाहरी और दंगा कराने वाला बताया, योगी पर भी हमला

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में रविवार को आयोजित हुई किसान महापंचायत में राकेश टिकैत ने खूब सियासी बातें की।

उन्होंने पीएम मोदी से लेकर अमित शाह और योगी पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा मोदी और शाह पर हमला करते हुए कहा ये दोनों बाहरी लोग हैं। इन्हें यहां से जाना होगा। मोदी-योगी और अमित शाह, तीनों उत्तराखंड से जीतें, हमें कोई ऐतराज नहीं, यूपी की जमीन पर ये दंगा करवाने वाले लोग हैं, इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब यह तय किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 28 तारीख को भी याद कर लेना, उस रात को कोई नहीं बचना था। आंदोलन का कत्लेआम होना था। आठ हजार की संख्या में पहुंची पुलिस की आंदोलन पर कब्जा करने की नीयत थी। लेकिन जब देश की जनता साथ में खड़ी हुई तो आंदोलन बचा। ये सरकारें अगर हमारी कब्रगाह वहां बनाएगी, तब भी हम गाजीपुर बॉर्डर नहीं छोड़ेंगे। आंदोलन जीतकर आएंगे, तभी वापस आएंगे। इस तरह की सरकारें देश में दंगे करवाने का काम करेंगी। पहले जब टिकैत थे, तो हर-हर महादेव व अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगते थे, अब भी ये हमेशा लगते रहेंगे। ये तोड़ने का काम करेंगे, हम जोड़ने का काम करेंगे। ये देश हमारा है, प्रदेश हमारा है। आप तैयार रहना। लालकिले पर हम नहीं गए। किसान जाता तो वहां जाता, जहां कानून बनते हैं। लाल किले पर आप धोखे से लेकर गए हमें। कोई एजेंसी बोलने को तैयार नहीं। सभी एजेंसियों के साथ ही कलम व कैमरे पर भी इनका पहरा है। किसी की हिम्मत नहीं, जो इन्हें सच दिखा दे। किसी कीमत पर वहां से जाएंगे नहीं, 450 रुपये क्विंटल भाव गन्ने का चाहिए। हमें फसलों पर एमएसपी की गारंटी चाहिए। 2022 में फसलों के रेट दोगुने होंगे, पहली जनवरी से फसलों को दोगुने रेट पर बेचेंगे। 20 लाख से ज्यादा लोग मुजफ्फरनगर की धरती पर आए हैं, उन सभी का धन्यवाद।

ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी, जाकिर को जंगीपुर और अमिरुल को समसेरगंज से टिकट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में उपचुनाव के एलान के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी पेश करेंगी। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के लिए ममता को उप-चुनाव में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अन्य सीटों में टीएमसी उम्मीदवार जाकिर हुसैन जंगीपुर और अमिरुल इस्लाम समसेरपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। राज्य की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 30 सितंबर को होने हैं। इस बीच टीएमसी नेता मदन मित्रा ने कहा कि भवानीपुर विधानसभा उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारकर भाजपा अपना पैसा बर्बाद न करें। यह चुनाव पूरी तरह एकतरफा होगा। इससे पहले चुनाव आयोग ने चार सितंबर को आंध्र प्रदेश, ओडिशा समेत पश्चिम बंगाल की तीन विधानसभा सीटों में उपचुनाव कराने की तारीखों का एलान किया था। चुनाव के नतीजे तीन अक्टूबर को आएंगे। बता दें कि ममता बनर्जी नंदीग्राम सीट से चुनाव मैदान में उतरी थीं, लेकिन उन्हें भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। संविधान के मुताबिक, ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री पद पर रहने के लिए 6 महीने के भीतर चुनाव जीतना जरूरी है, अगर वह चुनाव नहीं जीत पाईं तो उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ेगा। ममता बनर्जी के लिए तृणमूल विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने भवानीपुर सीट छोड़ दी है। 13 सितंबर को नामांकन करने की आखिरी तारीख है। इससे पहले ही ममता इस सीट से नामांकन करेंगी। बता दें कि इससे पहले बंगाल में उपचुनाव में हो रही देरी को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सवाल खड़े किए थे। साथ ही तृणमूल का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात कर जल्द से जल्द चुनाव कराने की अपील की थी। ममता ने कहा था कि बंगाल में जिन विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होने हैं वहां पर कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है।

कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार नहीं केरल में 26 हजार से ज्यादा मामले

नई दिल्ली। केरल के चलते देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। पिछले सात दिनों में कोरोना महामारी के चलते होने वाली मौतों में जहां 22 फीसद की कमी दर्ज की गई है वहीं संक्रमण के मामले आठ फीसद बढ़े हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह केरल में संक्रमण की गंभीर स्थिति है। पिछले 24 घंटे के दौरान देश भर में 42,766 नए मामले मिले हैं जिनमें से अकेले केरल से ही 29,682 केस हैं। वहीं रविवार शाम को केरल में कोरोना वायरस के 26,701 नए मामले आए। 28,900 रिकवरी हुईं और 74 लोगों की कोरोना से मौत हुई। केरल में सक्रिय मामले 2,47,791 हैं। कुल रिकवरी 39,37,996 हो चुकी है। अब तक केरल में कुल मौतें 21,496 हो चुकी है। केरल में टेस्ट पॉजिटिविटी रेट 17.17 फीसद है।

पिछले सात दिनों में आठ फीसद बढ़े मामले- वल्डोर्मीटर के आंकड़ों के मुताबिक पिछले

सात दिनों में देश में कोरोना संक्रमण के कुल 2,93,427 मामले पाए गए हैं जो उससे पहले सात दिनों में मिले 2,70,639 मामलों की तुलना में आठ फीसद ज्यादा है। जबकि, पिछले सात दिनों में महामारी से 2,707 लोगों की मौत हुई हो जो उससे पहले के सात दिनों में हुई 3,461 मौतों की तुलना में 22 फीसद कम है। इस दौरान अगर वैश्विक आंकड़ों की बात करें तो मामलों और मौतों में आठ-आठ फीसद की कमी आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से रविवार सुबह अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक दिन में 308 और मौतें हुई हैं जिनमें केरल में सबसे अधिक 142 मौतें शामिल हैं। सक्रिय मामलों में लगातार पांचवें दिन भी बढ़ोतरी हुई है। 4,367 की वृद्धि के साथ सक्रिय मामले 4,10,048 पर पहुंच गए हैं जो कुल मामलों का 1.24 फीसद है।

राजस्थान: चित्तौड़गढ़ में तालाब में नहाने गए 5 बच्चों की डूबने से मौत

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में तालाब में नहाने गए पांच बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मंगलवाड़ क्षेत्र में आठ बच्चे घर से तालाब में नहाने निकले थे। इस दौरान पांच बच्चे डूब गए। आनन-फानन गांव वाले बच्चों को पानी से निकालकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक साथ पांच शवों को देख पूरे इलाके में मातम पसर गया है। जानकारी के मुताबिक, बरसात के बाद मंगलवाड़ क्षेत्र के आस-पास के तालाब लबालब हैं। रविवार सुबह करीब 11.30 बजे आठ बच्चे तालाब पर नहाने गए थे। मंगलवाड़ निवासी भावेश (10) पुत्र नारायण लाल मेघवाल, चंद्रशेखर (12) पुत्र ओम प्रकाश ढोली, सुमित (12) पुत्र भैरूलाल, प्रिंस (8) पुत्र विष्णु और इंदौरा निवासी हरीश (8) पुत्र सत्यनारायण सबसे पहले पानी में उतरे। इस दौरान करीश (11) पुत्र कैलाश बारेठ और आयुष (10) पुत्र भवानीशंकर बारेठ बाहर ही खड़े थे। कुछ देर बाद मंगलवाड़ निवासी सूरज (12) पुत्र राजेश ढोली भी तालाब में उतरने जा रहा था, लेकिन जब उसने देखा कि पहले से ही पानी में उतरे बच्चे अब तक बाहर नहीं आए हैं, तो उसे चिंता हुई और उसने बाहर ही रुकने का फैसला

किया। यह बात उसने बाहर खड़े करीश और आयुष को बताई। अनहोनी की आशंका में करीश और आयुष वहां से भाग खड़े हुए। वे गांव पहुंचे और पूरी बात बताई। गांव के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने तालाब से पांचों को बाहर निकाला और अस्पताल लेकर गए। डॉ पंकज कीर ने जांच की, तो पांचों की मौत हो चुकी थी। डूबे हुए पांचों बच्चे आपस में रिश्तेदार थे।

योगी सरकार ने आँखों पर बांधी पट्टी, किसान और नौजवान परेशान : अखिलेश यादव

प्रखर भदोही। समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भदोही में शिक्षक दिवस पर आयोजित सम्मेलन में राज्य की योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा सरकार आंख और कान बंद कर रखे है। किसान अपनी फसल की कीमत और नौजवान नौकरी के लिए परेशान है। नौजवानों पर लाठीचार्ज किया जा रहा है। कोरोना काल में शिक्षकों की मौत पर सरकार की तरफ से कितनी असंवेदनशील नीति अपनायी गयी। हमने अपनी सरकार में नौजवानों को लैपटॉप बांटा था। लेकिन योगी को लैपटॉप चलाना नहीं आता इसलिए स्मार्टफोन बांट रहे हैं। कुछ लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता भी ली। ज्ञानपुर विधानसभा के इनार गांव में आयोजित शिक्षक सम्मेलन में रविवार को प्रदेश की योगी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में नौजवानों का रोजगार छिन गया है। लोग बेकार हो गए हैं। व्यापार छिन गया है, लेकिन राज्य सरकार आंखों पर पट्टी बांधकर सोयी है। पुरानी पेंशन बंद कर संविधान से खिलवाड़ किया जा रहा है। केंद्र की मोदी सरकार की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा कि लोग अपने को राष्ट्रवादी कहते हैं। दम भरते हैं कि वह राष्ट्रवादी हैं और संविधान के तहत काम करते हैं। लेकिन देश की संपत्ति

निजी हाथों में बेची जा रही है। रेलवे,एयरपोर्ट, बंरगाह सब निजी हाथों में बेची जा रही हैं। वह दिन दूर नहीं जब गंगा में चलने वाली नाव भी निजी हाथों में भेज दी जाएगी जिसकी वजह से नाविक और किसान बेरोजगार हो जाएंगे। शिक्षकों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है। वह एक प्रबुद्ध समाज का निर्माण करता। लेकिन कोरोनाकाल में योगी सरकार ने शिक्षकों के साथ भद्दा मजाक किया। पंचायत चुनाव में शिक्षकों ने जमकर भाग लिया। कोरोना संक्रमण की वजह से काफी शिक्षकों की मौत हो गई, लेकिन सरकार ने पूरे प्रदेश भर में सिर्फ तीन शिक्षकों की मौत बताया। जबकि सरकार की पोल खोलते हुए शिक्षकसंघ ने 1600 शिक्षकों के मौत की जानकारी सरकार को दी। अब आप सोच लीजिए सरकार की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। शिक्षक और शिक्षा मित्रों का अगर किसी सरकार ने सम्मान किया है तो वह सिर्फ समाजवादी पार्टी रही है। सत्ता में आने के बाद भाजपा ने सबसे बड़ा नुकसान शिक्षामित्रों का किया। सब बातें शिक्षक समाज समझ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि जब हम हेलीकॉप्टर से उतरे तो मास्क लगा रखे थे लेकिन जब मंच पर आए देखा तो यहां कोरोना गायब है। लेकिन यूपी में चुनाव आते-आते कोरोना वायरस फिर आ जाएगी। आप लोग इससे सावधान रहिएगा। कोरोना काल में हम सब ने मेडिकल प्रोटोकॉल का अनुपालन किया। अपने चेहरे पर मास्क लगा रखे थे। लेकिन कोरोना वायरस जाते ही सरकार ने खुद अपने आंखों और कानों पर पट्टी बांध ली और जनता की समस्याओं से दूर हो गई। आप सभी को इस बात को समझना होगा। समाजवादी पार्टी 2022 के चुनाव में पड़े बहुमत से जीत हासिल करेगी। भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने की बात कर रही है लेकिन आज राज्य का किसान बदहाल है। किसान आंदोलन कर रहे हैं और सरकार मूकदर्शक बनी है। अगर किसान कानून पास हो गया तो किसान बेजार हो जाएगा। देश और प्रदेश में रसोई गैस डीजल और पेट्रोल की महंगाई से आम आदमी त्रस्त है। गरीब आज गैस सिलेंडर नहीं खरीद पा रहा है। कोरोना मेंऔर लॉक डाउन की वजह से लाखों मजदूरों की नौकरी चली गई। लेकिन सरकार चुप है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भदोही के कालीन उद्योग के लिए सिर्फ समाजवादी पार्टी ने बहुत बड़ा काम किया है। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में ही एक्सपो मार्ट बनाया गया था। मुख्यमंत्री योगी कि चुटकी लेते हुए कहा कि मार्ट हमने बनाया और योगी ने उद्घाटन किया। जबकि उद्घाटन मैंने पहले ही कर दिया था। कालीन बुनकर आज सबसे ज्यादा बेरोजगार है। समाजवादी पार्टी के लोगों में बड़ा उत्साह देखा गया। इस दौरान उन्हें चांदी का मुकुट और गदा भेंट किया गया। शंख और चक्र भी भेंट किया गया। इसके बाद उन्हें तस्वीर भी भेंट की गई। बड़ी संख्या में शिक्षक समाज और समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे। सपा के जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी के शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीराम पांडेय, पूर्व विधायक जाहिद बेग, मधुवाला पासी, आरिफ सिद्दीकी, मनोज आस्थाना और काफी संख्या में लोग मंच पर मौजूद रहे।

चिंतन मनन

भाजपा का मंडल पार्ट-2

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने भूमंडलीकरण के दौर में पार्टी और सरकार के मंडलीकरण का दांव चला है जिसे राजनीतिक विश्लेषक मोदी का मंडल-दो भी कह रहे हैं और उनका दावा है कि जैसे विश्वनाथ प्रताप सिंह के मंडल-एक प्रयोग ने भारतीय राजनीति और सामाजिक व्यवस्था का पूरा चरित्र बदल दिया उसी तरह मोदी का मंडल-दो फिर कोई नया गुल खिला सकता है। कहा जा सकता है कि वीपी सिंह की ही तरह नरेंद्र मोदी ने भी एक बड़ा सियासी जोखिम लिया है, जो भाजपा और संघ के हिंदुत्व की राजनीति से मेल नहीं खाता है। फर्क यही है कि विश्वनाथ प्रताप सिंह सवर्ण थे और मंडल के कारण उन्हें सवर्णों का गुस्सा झेलना पड़ा। वहीं पिछड़ों ने उनके मुकाबले मुलायम सिंह यादव और लालू यादव जैसे नेताओं को तरजीह दी। लेकिन मोदी खुद पिछड़े वर्ग से आते हैं इसलिए विश्वनाथ प्रताप सिंह के मुकाबले वह ज्यादा मजबूत विकेट पर हैं और उनके सामने इस समय सामाजिक न्याय की राजनीति के पुराने योद्धाओं जीवन के सांध्यकाल में हैं और लगभग हो चुके हैं। वर्तमान में कोई सामाजिक न्याय की धारा का कोई नया तेज तर्रार नेता दूर दूर तक नहीं दिख रहा है। लेकिन उनके इस दांव से संघ और भाजपा के अगड़े जनाधार के नाराज होने के खतरे की भी आशंका है। पहले पिछड़े वर्ग को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में 27.50 फीसदी आरक्षण और फिर पिछड़े वर्गों की पहचान करने का अधिकार फिर से राज्यों को देने के लिए संसद द्वारा पारित कराया गया। संविधान संशोधन भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी सरकार मास्टर स्ट्रोक है या डिजास्टर स्ट्रोक, इसे लेकर बहस तेज हो गई है। दरअसल उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में अगले साल शुरू में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पिछड़ों को लुभाने के लिए उठाए गए इस कदम की अगली तार्किक परिणीति जाति आधारित जनगणना, आरक्षण कोटे की सीमा पर सुप्रीम कोर्ट की लगी 50 फीसदी की पाबंदी को संसद द्वारा कानून पारित करके खत्म करना और निजी क्षेत्र को भी आरक्षण के दायरे में लाने की मांगों के तेज होने के रूप में सामने आएंगी। राजनीति की भाषा में कहा जाए तो सरकार के इस कदम से भानुमती का पिटारा खुल सकता है जिससे भारतीय समाज में जबर्दस्त उथल पुथल पैदा हो सकती है जिससे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हिंदुत्व की वैचारिक अवधारणा तार तार हो सकती है। पिछड़े वर्गों के प्रति अचानक उमड़े भाजपा के प्रेम को मंडल दो भी कहा जा रहा है और इसे राजनीति में मंडलीकरण की प्रक्रिया के पूरे होने के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि इसके पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार में भी जो तरजीह पिछड़े वर्गों और दलितों को दी गई है,उससे भी भाजपा की कमंडल राजनीति को मंडल राजनीति की तरफ खिसकते दिखाई दी है। यहां तक कि 2015 में बिहार चुनाव से पहले भाजपा के मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा था कि आरक्षण पर पुनर्विचार की जरूरत है और तत्कालीन राजद जदयू कांग्रेस महागठबंधन के नेता लालू प्रसाद यादव ने उनके इस बयान को मुद्दा बनाकर बिहार में भाजपा और एनडीए का सफाया कर दिया था, उसके उलट अब संघ के सर कार्यवाह (जिन्हें संघ का संघ प्रमुख के बाद संघ का कार्यकारी प्रमुख माना जाता है) दत्तात्रेय होसबोले ने कहा है कि आरक्षण हर हाल में जारी रहना चाहिए और जब तक समाज में असमानता है आरक्षण की जरूरत है।संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी आरक्षण का समर्थन कर दिया है। अब सवाल है कि मोदी सरकार के मंडल दो कहने जाने वाले तीनों कदमों से भारतीय जनता पार्टी को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से लेकर 2024 तक जितने भी चुनाव होंगे जिनमें लोकसभा चुनाव भी शामिल है, में वो अपेक्षित राजनीतिक लाभ मिलेगा जिसकी उम्मीद में ये कदम उठाया गया है।दरअसल संघ और भाजपा की हिंदुत्व की विचारधारा देश के बहुसंख्यक हिंदू समाज को एक इकाई के रूप में देखता है और उसके मुताबिक उसकी सिर्फ एक पहचान है जो हिंदू ही हो सकती है।इसीलिए संघ के तमाम विचारक और संघ प्रेरित इतिहासकारों ने पिछले करीब एक दशक से कई पिछड़ी और दलित जातियों के अतीत में क्षत्रिय होने का दावा भी करना शुरू कर दिया है जिन्हें मुस्लिम और अंग्रेज शासकों ने इसलिए पिछड़ा या दलित बना दिया क्योंकि इन जातियों के शासकों के साथ ये जातियां मुस्लिम हमलावरों और अंग्रेजों से लड़ती रही थीं। अगर सवर्णों को नाराज न करने के लिए भाजपा सरकार जातिगत जनगणना, आरक्षण सीमा में बढ़ोत्तरी और निजी क्षेत्रों में आरक्षण की मांग नहीं मानती है तो पिछड़ों के लिए उसका सारे किए धरे पर पानी फिर जाएगा। भाजपा के एक सवर्ण नेता का कहना है कि इतनी दूर तक जाने की जरूरत नहीं है, अभी तो पार्टी को उत्तर प्रदेश औ? अन्य विधानसभा चुनावों में पिछड़े वर्गों विशेषकर गैर यादव पिछड़ी जातियों को सपा बसपा में जाने से रोकने के लिए यह जरूरी था और इसका लाभ 2022 के चुनावों में भाजपा को मिल सकता है। आगे क्या होगा यह बाद में देखा जाएगा। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कुल मिलाकर मंडल दो को शुरू करके भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत बड़ा जोखिम मोल लिया है, जिसके राजनीतिक नतीजे कुछ भी हो सकते हैं।

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं। इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है। यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

मानसून से होती तबाही की बढ़ती तीव्रता

देश की राजधानी दिल्ली में 31 अगस्त से ही जोरदार बारिश के कारण अनेक इलाकों में भारी जलभराव के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त है और 1 सितम्बर को भी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। वैसे भी दिल्ली में अक्सर चंद घंटों की मूसलाधार वर्षा में ही सड़कें दरिया बन जाती हैं। दिल्ली-एनसीआर में 31 अगस्त को हुई बारिश ने तो सात वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 24 घंटे के भीतर राजधानी में 84.1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई, जो वर्ष 2013 के बाद से सर्वाधिक है। महाराष्ट्र के मुम्बई सहित औरंगाबाद, जलगांव, कोंकण, मराठवाड़ा से लेकर उत्तर महाराष्ट्र सहित अनेक इलाकों में भी भारी बारिश के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। राजस्थान में बारिश और आकाशीय बिजली से कुछ लोगों की मौत और कईयों के घायल होने की खबर है। देशभर के अनेक इलाकों में नदियां और जलाशय उफान पर आ गए हैं और मौसम विभाग द्वारा 4 सितम्बर तक देश के कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी करते हुए कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इस साल मानसून की शुरूआत से ही देश के विभिन्न हिस्सों में मूसलाधार बारिश, बाढ़, बादल फटने, बिजली गिरने और भू-स्खलन से तबाही का सिलसिला अनवरत जारी है। पहाड़ों पर आसमानी आफत टूट रही है तो देश के कई इलाके बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। कमोवेश हर साल मानसून के दौरान विभिन्न राज्यों में अब इसी प्रकार का नजारा देखा जाने लगा है। अब इसे मानसून की दगाबाजी कहें या पर्यावरण असंतुलन का दुष्परिणाम कि मानूसन से होती तबाही की तीव्रता साल दर साल बढ़ रही है। मानसून का मिजाज इस कदर बदल रहा है कि जहां मानसून के दौरान महीने के अधिकांश दिन अब सूखे निकल जाते हैं, वहीं कुछेक दिनों में ही इतनी बारिश हो जाती है कि लोगों की मुसीबतें कई गुना बढ़

जाती हैं। दरअसल वर्षा के पैटर्न में अब ऐसा बदलाव नजर आने लगा है कि बहुत कम समय में ही बहुत ज्यादा पानी बरस रहा है, जो प्रायः भारी तबाही का कारण बनता है। हाल ही में पॉट्सडैम इंस्टीच्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के एक अध्ययन में बताया गया है कि भारतीय मानसून की चाल को जलवायु परिवर्तन और ज्यादा गड़बड़ बना रहा है। अध्ययनकताओं के अनुसार भारत के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश ने जो तबाही मचा रखी है, वह वैश्विक तापमान वृद्धि का दुष्परिणाम है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून के मौसम के जिस पैटर्न को कभी सबसे स्थिर माना जाता था, उसमें एक बड़ा परिवर्तन स्पष्ट देखा जा रहा है। जलवायु परिवर्तन से मौसमी घटनाएं बढ़ रही हैं और मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के तापमान में प्रत्येक डिग्री सेल्सियस वृद्धि से मानसूनी वर्षा में करीब पांच फीसदी बढ़ोतरी हो रही है। बादल फटने और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में होती बढ़ोतरी को भी जलवायु परिवर्तन से ही जोड़कर देखा जा रहा है।

एक समय था, जब गांव हो या शहर, हर कहीं बड़े-बड़े तालाब और गहरे-गहरे कुएं होते थे और पानी अपने आप धीरे-धीरे इनमें समा जाता था, जिससे भूजल स्तर भी बढ़ता था लेकिन अब विकास की अंधी दौड़ में तालाबों की जगह ऊंची-ऊंची इमारतों ने ले ली है, शहर कंक्रीट के जंगल बन गए हैं, अधिकांश जगहों पर कुओं को मिट्टी डालकर भर दिया गया है। ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न पुस्तक के मुताबिक हमारी फितरत कुछ ऐसी हो गई है कि हम मानसून का भरपूर आनंद तो लेना चाहते हैं किन्तु इस मौसम में किसी भी छोटी-बड़ी आपदा के उत्पन्न होने की प्रबल आशंकाओं के बावजूद उससे निपटने की तैयारियां ही नहीं करते। इसीलिए बदइंतजामी और साथ ही प्रकृति के बदले मिजाज के कारण अब प्रतिवर्ष प्रचण्ड गर्मी के बाद बारिश रूपी राहत को देशभर में आफत में बदलते देर नहीं लगती और तब मानसून को लेकर हमारा सारा उत्साह छू-मंतर हो जाता है।

मानसून प्रकृति प्रदत्त ऐसा खुशनुमा मौसम है, भीषण गर्मी झेलने के बाद जिसकी बूंदों का हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। यह ऐसा मौसम है, जब प्रकृति हमें भरपूर पानी देती है किन्तु पानी की कमी से बूरी तरह जूझते रहने के बावजूद हम इस पानी सहेजने के कोई कारगर इंतजाम नहीं करते और बारिश का पानी व्यर्थ बहकर समुद्रों में समा जाता है। हालांकि ह्यरेन वाटर हार्वेस्टिंगह्न का शोर तो सालभर बहुत सुनते हैं लेकिन ऐसी योजनाएं सिरे कम ही चढ़ती हैं। इन्हीं नाकारा व्यवस्थाओं के चलते चंद घंटों की बारिश में ही दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, बेंगलुरू जैसे बड़े-बड़े शहरों में भी प्रायः जल-प्रलय जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हल्की सी बारिश क्या हुई, सड़कों पर पानी भर जाता है, गाड़ियां रेंग-रेंगकर चलने लगती हैं, रेल तथा विमान सेवाएं प्रभावित होती हैं, सड़कें धंस जाती हैं, जगह-जगह जलभराव होने से पैदल चलने वालों का बुरा हाल हो जाता है। यह कोई इसी साल की बात नहीं है बल्कि हर साल यही नजारा सामने आता है लेकिन स्थानीय प्रशासन द्वारा ऐसे पुख्ता इंतजाम कभी नहीं किए जाते, जिससे बारिश के पानी का संचयन किया जा सके और ऐसी समस्याओं से निजात मिले। हमारी व्यवस्था का काला सच यही है कि न कहीं कोई जवाबदेह नजर आता है और न ही कहीं कोई जवाबदेही तय करने वाला तंत्र दिखता है। हर प्राकृतिक आपदा के समक्ष उससे बचाव की हमारी समस्त व्यवस्था ताश के पत्तों की भांति ढ़ह जाती है। ऐसी आपदाओं से बचाव तो दूर की कौड़ी है, हम तो मानसून में सामान्य वर्षा होने पर भी बारिश के पानी की निकासी के मामले में साल दर साल फेल साबित हो रहे हैं। देशभर के लगभग तमाम राज्यों में प्रशासन के पास पर्याप्त बजट के बावजूद प्रतिवर्ष छोटे-बड़े नालों की सफाई का काम मानसून से पहले अधूरा रह जाता है, जिसके चलते ऐसे हालात उत्पन्न होते हैं। अनेक बार ऐसे तथ्य सामने आ चुके हैं, जिनसे पता चलता रहा है कि मानूसन की शुरूआत से पहले ही करोड़ों रुपये का घपला करते हुए केवल कागजों में ही नालों की सफाई का काम पूरा कर दिया जाता है। कई जगहों पर मानसून से पहले नालों की सफाई की भी जाती है तो उस दौरान सैंकड़ों मीट्रिक टन सिल्ट निकालकर उसे नाले के करीब ही छोड़ दिया जाता है, जो तेज बारिश के दौरान दोबारा बहकर नाले में चली जाती है और थोड़ी सी बारिश में ही ये नाले उफनते लगते हैं। बारिश के कारण बाढ़, भू-स्खलन जैसी आपदाओं को लेकर हम जी भरकर प्रकृति को तो कोसते हैं किन्तु यह समझने का प्रयास नहीं करते कि मानसून की जो बारिश हमारे लिए प्रकृति का वरदान होनी चाहिए, वही बारिश अब हर साल बड़ी आपदा के रूप में तबाही बनकर क्यों सामने आती है? अति वर्षा और बाढ़ की स्थिति के लिए जलवायु परिवर्तन के अलावा विकास की विभिन्न परियोजनाओं के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में होता अवैध खनन इत्यादि भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं, जिससे मानसून प्रभावित होने के साथ-साथ भू-क्षरण और नदियों द्वारा कटाव की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते तबाही के मामले बढ़ने लगे हैं।

भारतीय दर्शन के वैश्विक व्याख्याता और भारत की आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के पथ प्रदर्शक थे राधाकृष्णन

भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन मूलतःउच्चकोटि के दार्शनिक थे जो दर्शन की आदर्शवादी परम्परा से ओतप्रोत थे तथा अद्वैत वेदांत के प्रतिपादक शंकराचार्य से गहरे रूप से प्रभावित थे। राधाकृष्णन शास्त्रीय दृष्टि से सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांतकार, विचारक और विश्लेषक नहीं थे परन्तु सोवियत संघ के राजनयिक,प्रथम उपराष्ट्रपति और कालांतर में राष्ट्रपति जैसे कूटनीतिक और राजनीतिक उत्तरदायित्वों को बडी कुशलता और सुघडता के साथ सम्पादित किया। अपने राजनीतिक निर्णयों से देश को सशक्त बनाने की दिशा में योगदान देने के साथ-साथ स्वस्थ्य संवैधानिक संस्थाओं परम्पराओं और लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रयास किया। एक राष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल मील का पत्थर साबित हुआ क्योंकि-उनके कार्यकाल में ही कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन के मार्गदर्शन में लाखों करोड़ों किसानों ने 1966 में हरित क्रांति का आगाज किया। हरित क्रांति के फलस्वरूप भारत में एक क्रांतिकारी परिवर्तन आया। अंग्रेजो ने अपने शासन के दो सौ वर्षों में अपनी निर्मम निर्लज्ज लूट खसोट से भारत के जिस उपजाऊ भूमि को ऊसर बंजर के रूप में तब्दील कर दिया था उस धरती पर हरित क्रांति के कारण फिर से फसलें लहराने लगी। इसके साथ ही साथ जिस देश में लोगों को भरपेट भोजन नसीब नहीं होता था उस देश के किसानों ने अपने खून पसीने से इतना अनाज का उत्पादन किया कि-देश के सारे गोदाम भर गये तथा आज कई देशों में शाम को चूल्हे हमारे किसानों की बदौलत जलते हैं। खाद्यान्न की दृष्टि से भारत का आत्मनिर्भर बनना सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

भारतीय समाज में सहिष्णुता और समरसता के प्रयासों के तहत डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने सर्वधर्म समभाव का दर्शन प्रस्तुत किया। कुछ विचारकों ने भारतीय दर्शन को निराशावादी, भाग्यवादी और पलायनवादी दर्शन के रूप में निरूपित करने का प्रयास किया। जिसका राधाकृष्णन ने तार्किक प्रतिउत्तर दिया। उनके अनुसार तमाम उतार-चढाव के बावजूद भारतीय जीवन दर्शन में अद्भुत जीवन शक्ति और अपना कायाकल्प करने की महान क्षमता है। इसलिए भारतीय जीवन दर्शन को निराशावादी, पलायनवादी और भाग्यवादी दर्शन समझना पाश्चात्य विचारकों की महान भूल थी।

भारतीय दार्शनिक एवम आध्यात्मिक परम्पराओं एक श्रेष्ठ जीवन दर्शन पाया जाता हैं। भारतीय दार्शनिक चिंतनधारा ने महावीर स्वामी, महात्मा बुद्ध,शंकराचार्य और रामानुजाचार्य जैसे पराक्रमी कर्मयोगियों, महात्मा गांधी जैसी सृजनात्मक साहसी प्रतिभा और रबिन्द्र नाथ टैगोर जैसी साहित्यिक विभूति को पैदा किया। राधाकृष्णन के अनुसार बहुलता और विविधता के मध्य एकता स्थापित करने की अद्भुत क्षमता है। उनके अनुसार परम तत्व का स्वरूप अत्यंत व्यापक है इसलिए इसकी अलग-अलग व्याख्या सम्भव है। इसलिए स्वभावतः भारतीय दार्शनिक परम्परा में सभी प्रकार की साम्प्रदायिक दुर्भावनाओं और कट्टरपंथी असहिष्णुता को परास्त करने की अद्भुत क्षमता है। शंकर के अद्वैत वेदांत में गहरी आस्था रखने के कारण राधाकृष्णन का विश्वास था कि- सम्पूर्ण विश्व परम ब्रह्म की शाश्वत सर्जनशीलता में निहित अनगिनत सम्भावनाओं में से एक का साक्षात्कारण है, इसलिए विश्व में जो कुछ घटित हो रहा है उसके मूल में एक देदिप्यमान आध्यात्मिक प्रयोजन विद्यमान हैं। विश्व ब्रह्म की स्वतंत्र संकल्प शक्ति की अभिव्यक्ति हैं। राधाकृष्णन के अनुसार विश्व को हम एक भ्रमोत्पादक मृगमरीचिका अथवा व्यामोह कह कर नहीं टाल सकते हैं और न उसे अनंत शून्य ही मानकर संतोष कर सकते है। वस्तुतः विश्व के मूल में तथा उसकी प्रक्रिया में ईश्वर की सत्ता निहित हैं।

आज हमारे समाज में सांस्कृतिक प्रदूषण फैलता जा रहा है और भूमंडलीकरण के उपरांत अपसंस्कृति तेजी से पांव पसारती जा रही है तथा हमारे सभ्यता पर भी संकट गहराते जा रहे हैं। ऐसे समय राधाकृष्णन का सभ्यता पर दिया गया विचार निश्चित रूप से प्रासंगिक हो जाता हैं। गुरुवर रविन्द्र नाथ टैगोर की भाँति राधाकृष्णन का भी विश्वास था कि- सभ्यता की रक्षा के लिए आध्यात्मिक और नैतिक शक्ति की आवश्यकता है। भंयकर चुनौतियां हमारी आधुनिक सभ्यता और संस्कृति के मौलिक ढांचे क्षतविक्षत करने पर अमादा हैं ऐसे एक आध्यात्मिक मानवतावादी नैतिकता ही उसे सर्वनाश से बचा सकती हैं। इन विचारों के कारण ही राधाकृष्णन को भारतीय दर्शन के साथ साथ भारतीय संस्कृति का वैश्विक व्याख्याता माना जाता है। राधाकृष्णन उच्चकोटि के दार्शनिक के साथ -साथ महान शिक्षाविद एवं शिक्षाशास्त्री थे। आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति रहे एवं अपने जन्म दिन को गुरु वशिष्ठ, गुरुविश्वामित्र और आचार्य चाणक्य के वंशबीज शिक्षको को समर्पित करने वाले राधाकृष्णन स्वाधीनता उपरांत भारतीय शिक्षा व्यवस्था के वास्तविक शिल्पकार थे। शोध और चिंतन किसी समाज में नवाचार के लिए अत्यंत आवश्यक होता है। भारत उच्च शिक्षा के सुधार के लिए बने राधाकृष्णन आयोग के अध्यक्ष की हैसियत राधाकृष्णन की सिफारिश पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बनाया गया। विश्व विद्यालय अनुदान विविध क्षेत्रों में उभरते हुए शोधार्थियों को अवसर प्रदान करता है और शोध के लिए प्रोत्साहित करता है। कालान्तर में भारत में शिक्षा व्यवस्था के सुधार के लिए कोठारी आयोग से लेकर जितने भी आयोग बने सभी पर राधाकृष्णन के विचारों का गहरा प्रभाव दिखाई देता है। इसलिए बौद्धिक वर्ग निर्विवाद रूप से डॉक्टर राधाकृष्णन को भारतीय शिक्षा व्यवस्था का पथ प्रदर्शक मानता है।

इसलिए आज सम्पूर्ण देश महान दार्शनिक और महान शिक्षाविद राधाकृष्णन को उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हुए पूरी श्रद्धा से स्मरण कर रहा है।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता

बापू स्मारक इंटर कांलेज दरगाह मऊ।

एक ज्वलंत सवाल....? हम आजाद है, या आत्मनिर्भर...?

हम पिछले चैहत्तर सालों से पन्द्रह अगस्त को हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस या अंग्रेजी में इंडिपेन्डेंस डे मनाते आ रहे है जबकि हिन्दी-अंग्रेजी के इन दोनों शब्द समूहों का अर्थ एक बिल्कुल नहीं है, हिन्दी के स्वतंत्रता शब्द समूह को अंग्रेजी में फ्रीडम कहते है, जबकि अंग्रेजी के इंडिपेंडेंस शब्द समूह को हिन्दी में आत्मनिर्भरता कहते है, तो अब बताईए हम पन्द्रह अगस्त को किस रूप में मनाते आ रहे है? अंग्रेजी के फ्रीडम या स्वतंत्रता का हमने पिछले सात दशकों में मनमाना दोहन किया और इसे हमारे संविधान से भी ऊपर मानकर हमने इसकी आड़ में जा चाहा वो किया, किंतु अंग्रेजी का इंडिपेंडेंस या आत्मनिर्भर शब्द समूह हमारी राजनीति का अंग अब इतने सालों बाद बना है और अब हमारे आधुनिक भाग्य विधाता इसे दिखावे का जामा पहनाने को आतुर है और अब इसी शब्द समूह का ढ़िंढोरा पीटकर अपना भविष्य उज्जवल रखने के प्रयास किये जा रहे है।

ऐसा कतई नहीं है कि पिछले सात दशक की पूर्व सरकारों ने आत्मनिर्भरता की दिशा में कोई काम नहीं किये, आज जो हमें हमारा देश विकासशील या विकसित नजर आ रहा है, यह इसी आत्मनिर्भरता के प्रयासो का परिणाम है, किंतु अतीत और वर्तमान में अंतर यह है कि अतीत में आज जैसा ढ़िंढौरा पीटकर अपना राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करने का प्रयास नहीं किया जाता था, तब हमारी सरकारों की विकास की राह वही थी जो आज समय व स्थिति के अनुरूप बदल गई है। आज दिखावा ज्यादा और वास्तविकता कम है, किंतु नेहरू, लाल बहादुर, इंदिरा या अटल जी के प्रधानमंत्रित्व

काल में ऐसा कतई नहीं था। विकास का कोई भी क्षेत्र देख लिजिये, चाहे वह औद्योगिक हो, आर्थिक हो, वैश्विक हो या कि सामाजिक हर क्षेत्र में बिना किसी दिखावे के अपना कर्तव्य मानकर तत्कालीन सरकारों ने आत्निर्भरत की दिशा में कदम बढ़ाया और उसमें काफी कुछ अंशों तक सफलता भी अर्जित की, यद्यपि यह भी सही है कि हम सात दशकों में अपने लक्ष्य को सही मंजिल तक नहीं पहुंच पाए, किंतु इसमें भी दो राय नहीं कि उस दिशा में ईमानदारी पूर्ण प्रयास अवश्य किए गए और उन प्रयासों के सार्थक परिणाम भी हमारे सामने आये। अतः अब यदि इस संदर्भ में यह कहा जाए कि देर आए दुरूस्त आए तो कतई गलत नहीं होगा, किंतु अभी भी आत्मनिर्भरता के प्रयासों में ईमानदार कौशिश का तत्व बढ़ाना बहुत जरूरी है, तभी हम सही अर्थों में अपने आपको इंडिपेंडेंट कह पाएगें और आजादी के मूल अर्थ को सार्थकता प्रदान कर पाएगें। किंतु आज भी हमारे बुद्धिजीवी वर्ग के सामने सबसे बड़ा और अहम सवाल यही है कि पिछले चैहत्तर साल से हम आजाद है या इंडिपेंडेंट? हमने हमारी आजादी के दिवस को अंग्रेजी में इंडिपेंडेंस डे नाम दिया उस नाम को हम इतनी लम्बी अवधि में सार्थकता प्रदान क्यों नहीं कर पाए? जबकि हमारे तत्कालीन भाग्यविधाताओं की इस नामकरण के पीछे मूल भावना आत्मनिर्भरता की ही थी? इसका कारण शायद यह रहा कि हम अपनी हर तरह की आजादी में इतने मशगूल हो गए कि हमें अपने आपको आत्मनिर्भरता का ख्याल ही नहीं रहा, यही हाल देशवासियों का रहा और वही हमारे माननीय तत्कालीन कर्णधारों का? किंतु इसमें कोई दो राय नहीं कि आजादी को आत्मनिर्भरता से जोड़ने का मूल मंत्र पूर्णतः देश के पुरातन गुरूपद के सम्मान को लौटाने की दिशा में सार्थक व सराहनीय प्रयास अवश्य था।

....और अब समय व स्थिति के अनुरूप मौजूदा और भावी कर्णधारों को इस प्रयास को ईमानदार तरीके से जारी रखे रहना चाहिए, इसी में देश, देशवासी और सभी का हित निहित है।

वाराणसी से चुनार तक गंगा नदी के रास्ते क्रूज सेवा प्रारम्भ

चुनार में मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने क्रूज के पहुँचने पर किया निरीक्षण

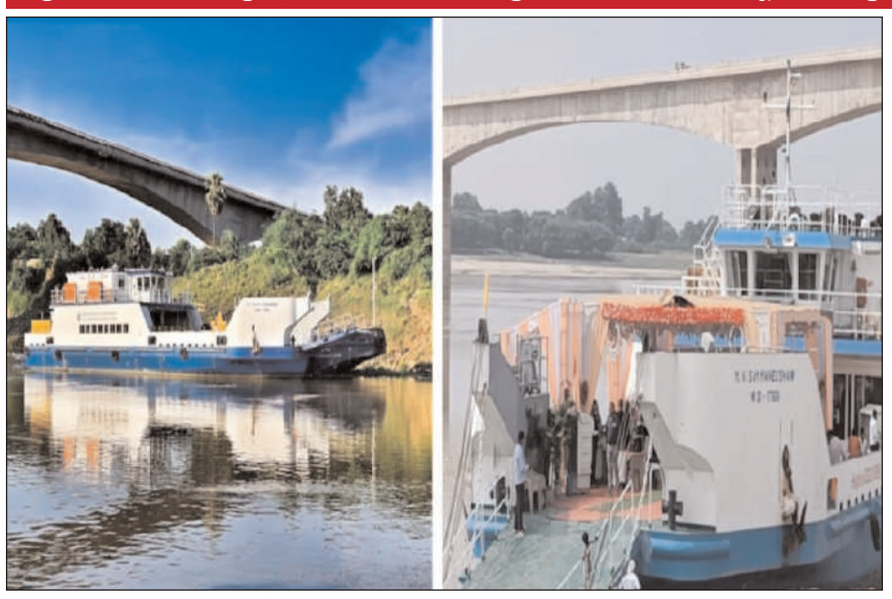

प्रखर मिजार्पुर। वाराणसी से मीरजापुर के ऐतिहासिक चुनार किला तक आज गंगा नदी के रास्ते क्रूज पर्यटको को लेकर चुनार बालू घाट पर पहुँचा। इस विशाल क्रूज को देखने के लिये काफी लोगो की भीड़ उमड़ी। क्रूज के चुनार बालू घाट पहुँचने पर मण्डलायुक्त श्री योगेश्वर राम मिश्र, जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार व पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार सिंह ने उपजिलाधिकारी रोशन यादव व क्षेत्राधिकारी के साथ क्रूज में पहुँचकर परीक्षण व निरीक्षण किया तथा पर्यटको से वार्ता भी की। इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने क्रूज स्टेशन बालू घाट चुनार से सड़क तक पहुँचे के लिये समुचित मार्ग की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया तथा कहा कि लो0नि0वि0 के द्वारा मार्ग पहुँच तक बालू पर यथा सम्भव लोहे की चद्र बिछायी जायेगी जिससे यात्रियो को आने जाने में आसानी हो सकें। उन्होने कहा कि इस क्रूज को मीरजापुर से चुनार तक जोड़ने में वाराणसी में आने वाले अन्य प्रदेशो व विदेशी पर्यटको को चुनार लाया जायेगा जिससे जनपद के पर्यटन स्थलो को बढ़ावा भी मिलेगा। क्रूज के संचालक कम्पनी अलकनंदा ने बताया कि यह क्रूज वाराणसी के रविदास घाट से प्रातः 09:00 बजे आरम्भ होगी जो चुनार किला तक पर्यटको भ्रमण कराते हुये सांय 05:00 बजे तक पुनः वाराणसी पहुँच जायेगी। उन्होने बताया कि उत्तर भारत के पूर्वान्चल में यह पहली सेवा होगी जिसमें पर्यटक आधुनिक सुख सुविधा लग्जरी युक्त ऐसे क्रूज के माध्यम से यात्रा का आनन्द ले सकेगें। इस यात्रा के दौरान प्रतिव्यक्ति शुल्क तीन हजार रूपया निर्धारित किया गया हैं। इसमें पर्यटको के नाश्ता, खाना व मनोरंजन की भी व्यवस्था की गयी हैं।

कालीन कम्पनी में निर्माण के दौरान शटरिंग ढहने से एक मजदूर की मौत, चार घायल

प्रखर भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में शहर कोतवाली के स्टेशन रोड स्थित एक कालीन कंपनी में शाम चार बजे निमार्णाधीन मकान की शटरिंग गिरने से एक मजदूर की जहां मौत हो गई वहीं 4 लोग अन्य घायल हुए हैं। पुलिस तत्काल मौके पर

पहुंचकर चार घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। मृतक मजदू के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। भदोही पुलिस के अनुसार भदोही शहर के स्टेशन रोड स्थित फत्तूपुर में एक निजी कालीन कंपनी में निर्माण का काम चल रहा था। इस दौरान मकान के छज्जे के लिए शटरिंग की गई थी। ढलाई के दौरान अचानक शटरिंग ढह गई और उसने काम कर रहे चार मजदूर दब गए जबकि एक की मौत हो गईं। वह जिले के ही चौरी थाने के दुबहा गांव का निवासी है। उसका नाम पुलिस ने प्रदीप चौहान बताया है। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली प्रभारी विजय विजय प्रताप सिंह मौके पर पहुंच गए। पुलिस और अन्य सहयोगियों की मदद से मलबे से चार घायल मजदूरों को निकाल कर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है जबकि मृतक मजदूर के शव को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने बताया है कि अभी घायलों के नाम और पते की जानकारी नहीं मिल सकी है। अभी भी खोज का काम जारी है, लेकिन अब और अधिक घायलों की संभावना नहीं है। बताया गया है कि शटरिंग का कार्य बहुत पहले हो गया था लेकिन बारिश की वजह से कार्य बंद था। शाम चार बजे काम के दौरान शटरिंग गिरने से यह हादसा हुआ।

सार्थक सेवा फाउंडेशन ने जरूरतमंद महिलाओं में किया साड़ी श्रृंगार और खाद्य सामग्री का वितरण

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। शिक्षक दिवस पर सार्थक सेवा फाउंडेशन की तरफ से तीज के उपलक्ष्य मे जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी श्रृंगार और खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। सारनाथ के समीप मुनारी गांव में एस बी सिंह स्पोर्ट्स एकेडमी मैदान में इस प्रोग्राम का आयोजन एस बी सिंह स्पोर्ट्स अकादमी के अध्यक्ष परितोष सिंह ने किया और सहयोग संस्था की महामंत्री सुनीता गुप्ता,उपाध्यक्ष अमिता सिंह,मंत्री अल्पना पाठक,प्रियंका प्रकाश, ज्योति अग्रहरि,प्रिया राजपूत, श्वेता मिश्रा,वर्षा श्रीवास्तव,रीता गोस्वामी, उर्मिला पाल,शालिनी केशरी, सपना गुप्ता, वीना वर्मा के सहयोग से सम्पन्न हुआ।अध्यक्ष पूजा गिरी ने सभी को बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

नगर पंचायत खेतासराय के कई मोहल्ले में अभी तक नहीं हुआ छिड़काव

प्रखर खेतासराय जौनपुर। डेंगू बुखार के बढ़ते प्रकोप को लेकर जहां प्रदेश शासन अलर्ट की मुद्रा में है। वहीं शाहगंज तहसील का स्वास्थ्य महकमा आज भी बेफिक्र की मुद्रा में चैन की नींद सो रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी के अधिकारी कर्मचारी से लेकर नगर पंचायत खेतासराय के अधिकारी भी सिर्फ कागजी घोड़ा दौड़ाने में लगे हुए हैं। अस्पतालो में बुखार से पीड़ितों की लाइने बढ़ती जारही है! लोग डेंगू बुखार को लेकर खासे चिंतित हो गए हैं लेकिन मच्छरो और डेंगू से बचाव के लिए दवा का अब तक छिड़काव नहीं किया गया। नगर पंचायत खेतासराय में कहने के लिए सैनिटाइजर करने का कार्य किया जा रहा है।

माता पिता से बड़ा होता है शिक्षक का स्थान : गिरीश चंद यादव

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। प्रदेश के नगर विकास राज्य मंत्री गिरीश चंद यादव ने कहा कि प्रदेश की सरकार शिक्षक हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षकों की प्रगति शिक्षकों के सम्मान और शिक्षकों की मांगों को पूर्ण करने के लिए सरकार ने संकल्प लिया है। इसमें किसी प्रकार की समस्या आड़े नहीं आने दी जाएगी। वह रविवार को कृष्णा ग्रुप आफ एजुकेशन एंड कोचिंग सेंटर बड़उर जपटापुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। यह समारोह शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित था। उन्होंने बताया कि शिक्षक का स्थान माता पिता से बड़ा होता है, एक शिक्षक ही समाज को दीपक बनकर रोशनी देने का कार्य करता है। यही शिक्षक आज के बच्चों को कल का भविष्य बना कर डॉक्टर, इंजीनियर , वैज्ञानिक समेत तमाम उच्च पदों पर भेजने का कार्य

करते हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की कार्य शैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी पार्टी सबका साथ, सबका विकास के उद्देश्य काम करती है। किसी भी जाति मजहब का भेदभाव नहीं करती है। उन्होंने वर्तमान सांसद के ऊपर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि उनका काम सिर्फ निजी स्वार्थ देखना है । जनता की मूलभूत सुविधाओं से कोई मतलब नहीं है । इस मौके पर विद्यालय संस्थापक डॉ संजय यादव , अच्छे लाल यादव, राजाराम पाल, ननकू यादव, बलिराज, डॉ मौलाना अब्दुल हफीज अंसारी, जियालाल, विजय प्रताप सिंह तमाम अध्यापक तथा ग्रामीण मौजूद रहे । कार्यक्रम के संयोजक विनोद यादव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर रामाश्रय यादव और संचालन संजय यादव ने किया ।

अतिक्रमणकारियों पर चला एसडीएम सेवराई का चाबुक

प्रखर सेवराई गाजीपुर। अतिक्रमणकारियों पर चला एसडीएम का चाबुक दो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में

अतिक्रमण खाली कराया गया।

जानकारी अनुसार भदौरा विकासखंड के सूरहा ग्राम पंचायत अंतर्गत पूर्व प्रधान द्वारा पंचायत भवन और सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था। लेकिन गांव के ही कुछ व्यक्तियों द्वारा मुख्य रास्ते पर अतिक्रमण कर रास्ते को बंद कर दिया गया था। जिस के संबंध में कुछ दिन पूर्व एसडीएम द्वारा मौका निरीक्षण कर अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देते हुए 3 दिनों के भीतर अतिक्रमण खाली करने का निर्देश दिया गया था। लेकिन अतिक्रमणकारियों द्वारा रास्ता मुक्त ना करने के कारण एसडीएम ने भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में रविवार को मौका निरीक्षण कर अतिक्रमणकारी रामानंद चौधरी एवं उसके पुत्र पर सरकारी कार्य में बाधा डालने एवं 151 के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। एवं कब्जे की भूमि को जेसीबी लगाकर खाली कराया गया। इस बीच वहां हड़कंप की स्थिति बनी रही।

इस बाबत एसडीएम सेवराई रमेश मौर्या ने बताया कि अतिक्रमणकारियों को पूर्व में चेतावनी दी गई थी बावजूद इसके उसने भूमि को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया। जिसके विरुद्ध आदेश की अवहेलना करने सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने एवं शांति भंग के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया एवं भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

इस मौके पर गहमर थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय, दिलदार नगर थाना प्रभारी कमलेश पाल, नगसर हाल थाना अवधेश प्रसाद सिंह, राजस्व निरीक्षक राकेश राय, लेखपाल शहंशाह आलम जितेंद्र कुमार, दानिश अली ,ग्राम पंचायत अधिकारी विमलेश प्रजापति सहित तहसील कर्मचारी एवं भारी फोर्स मौजूद रही।

भू-माफियाओं ने कब्जा ली पीडब्लूडी की सड़क

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत तहसील अंतर्गत पड़ने वाले थानागद्दी मोढैला मार्ग पर भू माफियाओं ने लोक निर्माण विभाग की सड़क व पटरी की जमीन पर कब्जा कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार थानागद्दी मोढैला मार्ग पर भू माफियाओं ने योजनाबद्ध तरीके से पीडब्लूडी की सड़क को एक गली का रूप दे दिया। जिसपर आए दिन गंभीर दुर्घटना होती रहती है कोणार्क कंपनी रतनूपुर में स्थित होने के कारण भारी वाहनों का आवागमन होता है और लगभग दर्जनों विद्यालय होने के कारण बच्चों का तांता लगा रहता है। हमेशा जाम की समस्या बनी रहती हैं। संबंधित विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ हैं सरकारी महकमे मे आपसी ताल-मेल ना होने के होने के कारण भूमाफिया की पौ बारह है। इस बावत तहसीलदार रामसुधार ने कहा की एक सप्ताह के अंदर सीमांकन कराया दिया जायेगा। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता निर्माण खण्ड 2 जैनू राम ने चुप्पी साध ली।

सत्येंद्र सिंह पिंटू भाजपा काशी क्षेत्र मीडिया संपर्क विभाग के बनाए गए संयोजक

प्रखर रामनगर वाराणसी। भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव के द्वारा काशी क्षेत्र के सभी प्रकोष्ठो की घोषणा करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जुझारू एवं कर्मठ कार्यकर्ता पूर्व जिला मंत्री सत्येंद्र सिंह पिंटू को भाजपा काशी क्षेत्र के संपर्क विभाग का संयोजक बनाया गया, घोषणा होते ही पार्टी के कार्यकताओं मे खुशी की लहर दौड़ गई,और बधाई दिए,बधाई देने वालों में मुख्य रूप से मनीष सिंह(सनी) भाजपा सभासद अशोक जयसवाल सर्वेंद्र विक्रम सिंह डॉ अनुपम गुप्ता अजय प्रताप सिंह संतोष नंदलाल चौहान अजय सेठ गणेशु नितेश पाल गौतम हरिशंकर सिंह सुरेश बहादुर सिंह दिलीप जायसवाल मनीष सिंह राहुल देव आदि कार्यकताओं ने बधाई दी।

विश्वकर्मा समाज को जागरूक होने की जरूरत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। लोकजन शिल्पकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र विश्वकर्मा ने कहाकि विश्वकर्मा समाज को अपने हक व अधिकार के लिए जागरूक करने की जरूरत है। बिना जागरूक हुए राजनैतिक हिस्सेदारी नही मिलेगी। उक्त बातें गोराई में आयोजित समाज के एक जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहाकि समाज को राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समाज के हर क्षेत्र के लोगों को आगे आना होगा।अध्यक्षता सुभाष विश्वकर्मा व संचालन संजय विश्वकर्मा ने किया।इस दौरान विश्वकर्मा समाज के दर्जनो लोग उपस्थित रहे।

काशी और अवध क्षेत्र के दौरे पर ए0के0 शर्मा

प्रखर डेस्क। ए० के० शर्मा अवध क्षेत्र के दो ज़िलों के दो दिवसीय भ्रमण के पहले चरण में 04 सितम्बर को सुल्तानपुर जिले के लम्भुआ में विधायक देवमणि द्विवेदी के घर जाकर उनके पिताजी के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त किये, एवं उनके पूरे परिवार का ढांढस बढ़ाया। उसके बाद उन्होंने सुल्तानपुर में जिला भाजपा कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं एवं नेताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक परिचर्चा करते हुए 2022 में पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की मुहिम में जुट जाने का आग्रह कार्यकताओं किया।

पार्टी पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए ए० के० शर्मा ने कहा कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूँ जो मुझे एक साथ पाँच पुर्व जिलाध्यक्षगण एवं वर्तमान जिलाध्यक्ष समेत अनेकों वरिष्ठ नेताओं तथा कार्यकताओं का आशीर्वाद मिल रहा है। यह कई पीढ़ियों का मेल है जो बहुत ही

बड़ी बात है। एक अधिकारी से नेता बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने मुझे जो स्नेह एवं आशीर्वाद दिया है, वह अतुलनीय है।

कार्यकर्ता बूथ स्तर पर कमेटियों का गठन करने के बाद उसका सत्यापन तक करते हैं तब जाकर संगठन मजबूत होता है, ऐसे देवतुल्य कार्यकताओं का नमन करता हूँ। कोरोना काल में जब मैं बनारस में इस महामारी में लोगों के बीच दवाएँ बांट रहा था, ऑक्सीजन कंस्ट्रेटरर बांट रहा था तो उसी वक्त सुल्तानपुर में स्वास्थ्य से जुड़ी सामग्रियों को भिजवाने का कार्य किया।

मैं इसी सुल्तानपुर के पास के इलाहाबाद विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूँ, छात्र जीवन में मेरे कई मित्र सुल्तानपुर के रहे इसलिए सुल्तानपुर मेरे लिए नया नहीं है। पिछले 20-30 सालों में सूबे का जितना विकास होना चाहिए था उतना नहीं हो पाया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बिना भेदभाव, जातिवाद, क्षेत्रवाद के जनहित को ध्यान में रहकर कार्य करती है। माननीय नरेन्द्र मोदी जी के साथ मैं लगभग 20 वर्षों तक कार्य किया हूँ, वहां योजनाओं का संचालन जनहित में हुआ करता है न कि पार्टीहित अथवा जातिहित में। प्रदेश में प्रतिमाएँ तो बनी हैं लेकिन वहां तक जाने के लिए, आमजन के उपयोग के लिए सही रास्ते नहीं बने हैं। जब मैं गुजरात में था तो वहां पीने के लिए पानी नहीं मिला करता था, पशुओं के लिए चारा नहीं मिलता था वहां मैंने सरकार के सहयोग से पानी की किल्लत को पूरे गुजरात प्रदेश से दूर किया लेकिन जब मैं अपने घर अपने राज्य में आया तो यहां के रुके हुए विकास को देखकर हृदय विचलित हो जाता है। वर्तमान सरकार ने विकास की रुकी हुई गति तेज किया है, जो खाई वर्षों से बनी हुई थी उसे पाटने का कार्य वर्तमान सरकारों द्वारा किया जा रहा है। शाम को जे०डी०जे०वी० आनन्द महाविद्यालय, धनवारी, खेमापुर, अम्बेडकर नगर में शिक्षक सम्मान एवं युवा संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित हुए उसके बाद शाम को लखनऊ वापस निकल गए।

विश्वकर्मा पूजा छुट्टीआंदोलन में कांग्रेस शामिल सरकार की हठधर्मिता के खिलाफ निकला मशाल जुलूस

प्रखर रामनगर वाराणसी। विश्वकर्मा पूजा छुट्टी की मांग को लेकर विश्कर्मा समाज द्वारा किए जा रहे आंदोलन में कांग्रेस पार्टी भी शामिल हो गई है। ऑल इंडिया यूनाइटेड विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा एवं कांग्रेस पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में आज सायं काल शास्त्री चौक से राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा व पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने मशाल जुलूस निकाल कर सरकार से विश्वकर्मा पूजा पर्व पर छुट्टी की मांग की। मशाल जुलूस में सभी जाति धर्म और वर्ग के लोगों के साथ ही बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। जो सरकार की हठधर्मिता के खिलाफ विश्कर्मा पूजा छुट्टी की मांग से संबंधित तथा देवी देवताओं और महापुरुषों के नाम पर किए जा रहे भेदभाव के खिलाफ नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा सरकार देवी देवताओं और महापुरुषों के साथ धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव तथा वोट की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा को महापुरुष कह कर विश्वकर्मा पूजा का छुट्टी निरस्त किए जाने एवं सरकार की हठधर्मिता के चलते भगवान विश्वकर्मा में आस्था रखने वाले सभी जाति धर्म और वर्ग के करोड़ों लोगों के मन में जबरदस्त गुस्सा है।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण क्षेत्र में भी शिक्षक किये सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर रविवार को विभिन्न संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित करने के साथ शिक्षकों को सम्मानित किया गया। फूलपुर में अभ्युदय समिति द्वारा आयोजित संगोष्ठी व सम्मान समारोह में आधा दर्जन शिक्षकों को सम्मानित करने के साथ पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहाकि शिक्षक के ज्ञान के बिना समाज अधूरा है। शिक्षक समाज का आईना होता है। वही रामकरन पटेल सेवा समिति द्वारा मंगारी में शिक्षको को सम्मानित किया गया। वही फूलपुर स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर बृहद कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमे एक दर्जनो शिक्षको को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह, संजीव सिंह, रामानुज यादव, दिनेश सिंह, श्रद्धा सिंह, संजीव श्रीवास्तव समेत अनेक गणमान्य लोग रहे।

प्रदेश मे कोटेदार विरोध दिवस मांग महोत्सव सफल - गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेश मे कोटेदारो द्वारा अपनी माग को लेकर सरकार के विरूद्व प्रदर्शन सफल रहा।पूरे प्रदेश मे कोटेदार अपने दुकान पर बैनर पोस्टर लगाकर विरोध किया।प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने बताया कि अगर सरकार जल्द हमलोगो का माग पूरा नही करती है।तो जल्द ही पूरे प्रदेश का खाद्यान वितरण बन्द कर दिया जायेगा।अब लडाई आरपार की होगी।यह 80000हजार कोटेदारो के परिवार की जीवन मरण की बात है।सरकार की तानाशाही नही चलेगी।

ग्राम प्रधान रसूलपुर राजू खान ने किया कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर का स्वागत

प्रखर अदालहाट मिजार्पुर। जिला भ्रमण पर आए कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने सर्वप्रथम मां विंध्यवासिनी का दर्शन किया उनके साथ राज्य आयोग दर्जा प्राप्त मंत्री शिवमंगल जी भी उपस्थित रहे दर्शन के उपरांत जनपद के नारायणपुर ब्लाक के गांव रसूलपुर निवासी नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान जावेद अहमद राजू खान से मुलाकात की। मुलाकात के क्रम मंत्री जी के मित्र ग्राम प्रधान जावेद अहमद राजू खान ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया । साथ में उपस्थित रहने वालों में नारायनपुर सुनील सिंह फौजी डब्लू सिंह अंजली यादव मोहसिन खान पवन सिंह समेत बहुत सारे साथी उपस्थित रहे।

वनस्थली महाविद्यालय के प्राध्यापकों का जनपद मुख्यालय पर हुआ सम्मान

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन जनपद के जीडी बिनानी पीजी कॉलेज में किया गया था जिसमें जनपद के विभिन्न डिग्री कॉलेजों के प्राचार्य एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया सम्मानित होने के क्रम में अहरौरा नगर के दक्षिणी छोर पर स्थित वनस्थली महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ देवी प्रसाद एवं स्वाति सिंह को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में मड़िहान विधायक ऊर्जा राज्य मंत्री रमाशंकर सिंह पटेल, विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर विधायक रत्नाकर मिस्त्र, विधायक सुष्मिता मौर्य मझवा, विधायक राहुल कोल छानबे समेत बिनानी कॉलेज के प्राचार्य व जनपद भर के प्राध्यापक मौजूद रहे।

हंस कुमार सोनकर प्रखंड मंत्री तो सर्वेश दिक्षित बनाए गये विहिप के अध्यक्ष

प्रखर केराकत जौनपुर। नगर के तीर्थराज मैरेज हाल में आयोजित विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर सर्वसम्मति से केराकत प्रखंड मंत्री हंस कुमार सोनकर तो अध्यक्ष के पद पर सर्वेश दिक्षित को चुना गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

जिलाध्यक्ष राकेश दूबे ने कहा की हिंदू पर अत्याचार व लव जेहाद को अब बर्दाश्त नही किया जाएगा। हिंदुस्तान में देश को मजबूत बनाने वाली ऐसी सेना तैयार करनी है जो समय आने पर देश विरोधी संगठनों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाय सके। इस अवसर पर राम प्रताप सिंह, आनंद शर्मा, सत्यम मिश्रा, विष्णु गुप्ता, धर्मेंद्र यादव, प्रदीप कुमार, सोनू, पवन मौर्य, रवि सोनकर, निलेश, मुकेश यादव, आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन आनंद शर्मा ने किया।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का गुरुवंदन एवं शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी होगी कल

बीएसए ने प्रतिभागी शिक्षकों के लिए किया विशेष अवकाश, राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार दयाशंकर मिश्र दयालु होंगे मुख्य अतिथि

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ पूरे भारतवर्ष में शिक्षा उन्नयन एवं शिक्षक सम्मान के लिए लगातार रचनात्मक कार्य करता है इसी कड़ी में उसके द्वारा प्रतिवर्ष गुरु वंदन एवं शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी करता है जिसमें मूर्धन्य विद्वान शिक्षाविदों,शिक्षकों एवं छात्रों की बड़ी संख्या में उपस्थिति होती है जिस दौरान शिक्षा उन्नयन,राष्ट्र निर्माण एवं समाजोत्थान के विषय में विचार विमर्श होता है।

इसी क्रम में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी की शिक्षा उन्नयन संगोष्ठी दिनांक 6 सितंबर 2021 को 11:00 बजे से 3:00 बजे तक भारतीय शिक्षा मंदिर, इंग्लिशिया लाइन, कैंट वाराणसी में आयोजित होगी जिसमें प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों के लिए जिला बेसिक शिक्षाधिकारी वाराणसी राकेश सिंह जी ने सोमवार 6 सितंबर 2021 को विशेष अवकाश स्वीकृत किया है। 6 सितंबर को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के बैनर तले होने जा रहे गुरु वंदन एवं शिक्षक उन्नयन संगोष्ठी के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं पुर्वांचल विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष डा० दयाशंकर मिश्र 'दयालु' , मुख्य वक्ता राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री माननीय ओमपाल जी,अति विशिष्ट अतिथि वाराणसी मंडल के एडी बेसिक अवध किशोर सिंह जी तथा अध्यक्षता राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह जी करेंग।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ वाराणसी के प्रदेश संयुक्त मंत्री/ जिलाध्यक्ष वाराणसी शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" ने बताया कि 6 सितंबर 2021 को इंग्लिशिया लाइन कैण्ट स्थित भारतीय शिक्षामंदिर इंटर कालेज में होने जा रहे गुरु वंदन एवं शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी में शामिल होने वाले प्रतिभागी शिक्षकों के लिए जिला बेसिक शिक्षाधिकारी द्वारा विशेष अवकाश किया जाना बहुत ही सराहनीय कदम है इससे शिक्षक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे जिनका कार्यक्रम शुरू होने से पहले पुर्वाह्न 11 बजे से कार्यक्रम स्थल भारतीय शिक्षा मंदिर इण्टर कालेज में पंजीकरण किया जायेगा जिससे उन्हें जिला बेसिक शिक्षाधिकारी के विशेष अवकाश आदेश में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रतिभागी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जा सके। शशांक पाण्डेय ने बताया कि गुरुवंदन एवं शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी में पूरे जिले से 11 ऐसे शिक्षक जिन्होंने शिक्षा एवं विद्यालय उन्नयन तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है उन्हें उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से तथा जिले के 4 ऐसे विद्यालय जिन्होंने अपने विद्यालय का श्रेष्ठ कायाकल्प एवं भौतिक संसाधन विकसित किया उन्हें उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार से राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डा० दयाशंकर मिश्र दयालु जी द्वारा सम्मानित भी किया जायेगा।

रोटरी क्लब वाराणसी गंगा ने राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी गंगा द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर दयाशंकर मिश्र दयालु राज्यमंत्री एवं प्रिंसिपल डीएवी इंटर कॉलेज का सम्मान उनके निवास स्थान पर जाकर रोटरी क्लब वाराणसी गंगा के सदस्य दीपक अग्रवाल, अशोक अरोड़ा, प्रदीप मेहरोत्रा, धर्मेंद्र गोयल, विनोद अग्रवाल, विनोद जायसवाल एवं शांतिलाल जैन द्वारा अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर किया गया। उक्त अवसर पर क्लब की ओर से चार्टर अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने कहा दयालु का जीवन ही पूरी तरह समाज के लिए समर्पित रहा है, वह सदैव दीन दुखियों की सेवा में अपने को तल्लीन रखते हैं, उनके द्वारा किए गए कार्य समाज में अत्यंत ही उल्लेखनीय हैं, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता, हम सभी बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना करते हैं, कि आगे आने वाले समय में आप विधायक बने, मंत्री बने, और जिससे प्रदेश की सेवा भरपूर और भी कर सके। दयाशंकर मिश्र दयालु ने अपने सम्मान से अभिभूत होकर कहा कि राधा कृष्ण के जन्म दिवस को हम शिक्षक दिवस के रूप में आयोजित करते हैं।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सनत कुमार सिंह ने शिक्षकों को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी । शिक्षक दिवस के अवसर पर बीआरसी केसरीपुर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन विगत वर्षों की भांति किया गया ` विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. किरण पांडेय व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्ष सनत कुमार सिंह द्वारा वर्ष 2020 व 2021 में सेवानिवृत्त कुल 17 शिक्षकों, एक परिचारक को अंगवस्त्रम, गीता पुस्तक, तुलसी का माला, कलम भेंट किया गया तथा 25 विशिष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों एवं अन्य ब्लॉक से भी 14 शिक्षकों को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सनत कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता है बिना गुरु के ज्ञान जीवन सार्थक नहीं है और जीवन में सात प्रकार के गुरु माता पिता, दाई, ब्राह्मण, शिक्षक, साधु संत व शब्द इत्यादि पर चर्चा करते हुए कहा कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लगे पाय, गुरु समान दाता नहीं याचक शिष्य समान,रामकृष्ण सो को बड़ा उनहु तो गुरु किन्ह, तीन लोक के वेद धनी गुरु आगे आधीन। वैदिक मंत्रोचार सहित संचालन डॉ. सरोज कुमार पांडेय स्वागत भाषण संघ के मंत्री अनूप सिंह धन्यवाद ज्ञापन राजेश सिंह व आभार प्रकटन संजय कुमार राय द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि सुरेंद्र नारायण सिंह द्वारा शिक्षकों को सराहनीय कार्य किए जाने पर प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से प्रस्तुत सम्मान पत्र भी भेंट किया गया। सुरेंद्रनारायण सिंह ने कहा कि शिक्षकों का समाज में सदैव ऊंचा स्थान रहा है और रहेगा उन्होंने शिक्षकों से अपील की शिक्षा क्षेत्र में आपकी मेहनत बेसिक शिक्षा को अवश्य मजबूती प्रदान करेगा आप सभी के मेहनत से समाज में शिक्षा का स्तर ऊंचा होने में देर नहीं लगेगा। वक्ताओं ने बताया उक्त कार्यक्रम संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह द्वारा वर्ष 2010 से शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष आज आयोजित किया जा रहा है सभा को उपरोक्त के अलावा प्राथमिक शिक्षक संघ के कौशल सिंह, शांतेश्वर मित्र, मनोज कुमार, संदीप गौतम, सूर्यप्रसाद शर्मा, दरोगा सिंह, वेदप्रकाश, लक्ष्मीशंकर सिंह, ललित कुमार, शैलेंद्र सहाय, सिद्धनाथ पांडेय, विजयलाल गुप्ता, डॉ0 प्रमोद पाण्डेय, श्रीपादवल्लभ वक्षी, संतोष शर्मा, हरिराम, कमलेश पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, नीलम तिवारी, प्रज्ञा पाठक, मधु सोनकर, रीता राय, अनीता राय, पूजा इत्यादि ने विचार व्यक्त किए।

बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की बैठकर संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की मासिक बैठक पी सी एफ प्लाजा कार्यालय में संपन्न हुआ। जिसमें प्रमुख रुप से (अध्यक्ष) राकेश कुमार सिंह ने ट्रांसपोर्टरों के हित मे परिवहन आयुक्त धीरज साहू से लखनऊ मे हुई मीटिंग के बारे में अवगत कराया उन्होंने बोला कि अगर हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो हम वाराणसी सहित समस्त उत्तर प्रदेश में एक साथ आंदोलन व हड़ताल करेंगे और कमेटी के समस्त पदाधिकारियों व सदस्यगण को ट्रांसपोर्टरों के हित के लिए सदैव अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने की हिदायत दी। (महामंत्री) प्रकाश जायसवाल ने कहा कि हम सभी जब तक एक साथ एक आवाज नही होगे तब तक शासन और प्रशासन में हमारी बात नहीं सुनी जाएगी और ना ही ट्रांसपोर्टरों के हित में प्रशासन द्वारा कोई भी उचित निर्णय लिया जाएगा। परिवहन आयुक्त धीरज साहू द्वारा ली गई मीटिंग में हमारी मांगों को जल्द ही विचार करके निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया है। हमारी मांगों में प्रमुख रूप से लॉकडाउन अवधि का टैक्स व पेनाल्टी माफी, वाहनों का उम्र सीमा, पूर्व की भांति ऑल इंडिया ऑल यू पी परमिट जिलेवार किया जाना चाहिए व अन्य चार मांगों को बीटीटीए कमेटी द्वारा दिया गया है।

वक्ताओं की कड़ी में (प्रवक्ता) शशी प्रताप सिंह ने कहा कि इस निकम्मी सरकार मे हम ट्रांसपोर्टरों के हित में कोई भी सुनवाई नहीं है ऊपर से हम ट्रांसपोर्टरों को अन्य करो के भार से प्रताड़ित किया जा रहा है मैं आप मीडिया बंधुओं के माध्यम से बनारस के कमिश्नर महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि इस बार जब भी माननीय मुख्यमंत्री जी का वाराणसी जब भी आगमन होने पर बीटीटीए के पदाधिकारियों को मिलने का समय दिलाया जाए हम सभी पदाधिकारी सर्किट हाउस से निकालने नहीं दिया जाएगा वहीं गेट पर बैठ जाएंगे नहीं तो हम ट्रांसपोर्टर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बैठक की अध्यक्षता (संरक्षक) प्रभाकर पांडेय व विनोद सिंह ने किया और अपने पदाधिकारियों व सदस्यगणों को कमेटी के हित में निष्ठा पूर्वक वफादारी से कार्य करने की हिदायत दी क्योंकि बीटीटीए वाराणसी एवं उत्तर प्रदेश के समस्त ट्रांसपोर्टरों के लिए संघर्ष करता है।

एआरपी के अभद्र एवं अमर्यादित भाषा से शिक्षकों में उबाल

प्रखर तमकुहीराज कुशीनगर। ब्लाक संसाधन केन्द्र सेवरही में कार्यरत एक एआरपी पर शिक्षकों ने अभद्र,अमर्यादित व्यवहार करने एवं धौंस जमाने का आरोप लगाया है। संकुल शिक्षकों ने बीईओ को प्रार्थना पत्र देकर संकुल पद छोड़ने की गुहार लगायी है तो प्राथमिक शिक्षक संघ एवं जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने बीईओ को ज्ञापन सौंपकर उक्त एआरपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। शिक्षक संघ ने कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की धमकी दी है। बीआरसी सेवरही में तैनात एक एआरपी के खिलाफ शिक्षकों में काफी नाराजगी दिख रही है,शिक्षकों का कहना है कि स्कूलों के सपोर्टिंग सुपरविजन के दौरान उक्त एआरपी शिक्षकों से अभद्र,अमर्यादित भाषा का प्रयोग करता है,साथ ही एआरपी होने का धौंस जमाता है। शिक्षकों का कहना है कि बिना कार्य योजना तैयार किये और सम्बंधित शिक्षकों को जानकारी दिये बगैर ही उक्त एआरपी स्कूल पहुंचकर शिक्षकों को डांट फटकार लगाता है। इनके कार्यशैली से क्षुब्ध होकर कई संकुल शिक्षकों ने बीईओ को प्रार्थना पत्र देकर अपने संकुल पदों से त्याग पत्र देने की पेशकश की है तो वहीं दुसरी ओर शिक्षकों ने प्राथमिक शिक्षक संघ और जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के अगुवाई में खंड शिक्षा अधिकारी सेवरही को ज्ञापन सौंपकर उक्त एआरपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।प्राथमिक शिक्षक संघ कुशीनगर के जिलाध्यक्ष अरविन्द सिंह ने कहा कि उक्त एआरपी के कार्यशैली एवं कार्यव्यवहार को लेकर पहले भी सचेत किया गया था, कार्रवाई नहीं होने पर प्राथमिक शिक्षक संघ आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेगा।इस संबंध में बीईओ सेवरही अमित कुमार सिंह का कहना है कि मामला संज्ञान में आने के बाद बातचीत के जरिये मामले का समाधान कर दिया गया है।इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ सेवरही के कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह,उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह,मंत्री सुमंत मिश्र,कोषाध्यक्ष अजय कुशवाहा,जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ अध्यक्ष मद्धेश मिश्र,मंत्री ऐजुल हक,अनिल मिश्र,नसरूल्लाह अंसारी,शिवजी सिंह,संतोष श्रीवास्तव आदि थे।

शहनशाह हुसैन रिजवी एडवोकेट अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य मनोनीत

प्रखर खेतासराय जौनपुर।भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष व भाजपा जौनपुर के पूर्व उपाध्यक्ष शहंशाह हुसैन रिजवी एडवोकेट सिविल कोर्ट को अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र का क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य शहंशाह हुसैन रिजवी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश ने मुझे इस योग्य समझा जो मुझे काशी क्षेत्र कार्य समिति का सदस्य बनाया है जिसे मैं पूरी निष्ठा पूर्वक निभाऊंगा काशी क्षेत्र का क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने पर जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह नगर अध्यक्ष विकास शर्मा नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव विधि प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक अरुण कुमार प्रजापति प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया पूर्व नगर अध्यक्ष आशीष कुमार आशू मानिकचंद सेठ राष्ट्रीय महा मंत्री इफ्तिखार अहमद काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव अब्दुल कलाम अंसारी रंजीत साहू सलमान अब्बास मेराज आदि लोगो ने बधाइयां दी।

साड़ी का फंदा बनाकर रोशनदान से झूल गई विवाहिता, पिता ने लगाया दहेज का आरोप

प्रखर जखनियां गाजीपुर। शनिवार की देर रात बरहट निवासी उपेंद्र कुमार की पत्नी पिंकी (26) ने साड़ी का फंदा बनाकर रोशनदान के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शादियाबाद क्षेत्र की है। जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया । इस मामले में पिंकी के पिता ने पति, ससुर, सहित अन्य लोगों पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दिया है। पिंकी का पति उपेंद्र इलाहाबाद में रहकर पढ़ाई करता है। वह पिछले कुछ दिनो से घर आया हुआ है। शनिवार की शाम पिंकी का अपने पति से किसी बात को लेकर अनबन हुआ था। बताते है कि पति गुस्सा होकर बाहर चला गया। कुछ देर बात जब घर आया तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है। उसने दरवाजा खोलने के लिए आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाया।शक होने पर जब वह रोशनदान से देखा तो पिंकी साड़ी के फंदे पर लटक रही थी।यह देख परिवार के लोग चिकने चिल्लाने लगे।आवाज सुनकर पास पडोस के लोग भी वहां पहुंच गये। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलने के बाद पुलिस वहां पहुची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतरवाया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिंकी की शादी चार वर्ष पूर्व उपेन्द्र के साथ हुई थी। उसकी एक तीन वर्ष की पुत्री उपासना है। पिंकी के मौत की सूचना मिलने पर मायका के लोग भी वहां पहुच गये।पिंकी के पिता रामसुध ने पति, ससुर सहित अन्य लोगो खिलाफ दहेज हत्या की तहरीर दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि पति, ससुर सहित पांच के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

साथ इंडिया फाउंडेशन के अहरौरा महुली कार्यालय पर संगठन के विस्तार को लेकर बैठक सम्पन्न

प्रखर अहरौरा मीरजापुर। साथ इंडिया फाउंडेशन के डायरेक्टर एसके श्याम के नेतृत्व में जॉइंट डायरेक्टर हरिश्चंद्र सिंह ने एनजीओ के पदाधिकारी व वालंटियरों के साथ दिन रविवार को अहरौरा क्षेत्र में स्थित महुली कार्यालय पर,एनजीओ के विस्तार को लेकर बैठक सम्पन्न। बैठक में एनजीओ डायरेक्टर एसके श्याम व जॉइंट डायरेक्टर हरिशन्द्र ने बताया दो नए ब्रांच वाराणसी जनपद के विवेकानंदपुरम चितईपुर और चन्दौली जनपद चांदीतरा साहूपुरी में 19-09-21 को भव्य उद्घघाटन किसी विशेष अतिथि जनों के हाथों किया जाएगा। और इस मिटिंग में तीसरी लहर कोरोना और डेंगू को बढ़ते संक्रमण को देखते हुए स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों को आवश्यक महत्वपूर्ण कुछ बाते बताई जाएगी जिससे संक्रमण को रोका जाए।और साथ में मास्क भी वितरण किया जाएगा। इसी क्रम 14-09-21 को विंध्य विद्या मन्दिर जंसवा और सेंट एगलेन्स दी कानवेंट स्कूल जंसवा में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। और महुली कार्यालय पर चिकित्सा शिविर चलाकर गरीबों को स्वास्थ्य से सम्बंधित इलाज किया जाएगा। और साथ में संगठन के मजबुती को लेकर चचाएं की गई। इस दौरान मीटिंग में उपस्थित डायरेक्टर एसके श्याम व ज्वाइंट डायरेक्टर हरिश्चंद्र सिंह सरोज कुमार (मैनेजर ऑपरेशन),वेद प्रकाश, एड. विकास चन्द्र अग्रहरि(असिस्टेंट मैंनेजर व सोशल पब्लिकेशन),मनोज पाण्डेय,देवब्रत मौर्य,बनारसी मौर्य(वालंटियर),सुनील कुमार,अरविन्द कुमार (सुपर वाइजर सोशल)के साथ दर्जनों एनजीओ के सदस्य व वालंटियर मौजूद रहे।

5 सितंबर को पूरे प्रदेश के कोटेदारों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर मांग महोत्सव मनाया

प्रखर दानगंज वाराणसी। प्रदेशभर के कोटेदार अपने 7 सूत्री मांग को लेकर अपने हाथ में काली पट्टी बांधकर सरकार के प्रति अपना विरोध जताए

राजेश तिवारी कोटेदार संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि हम कोटेदारों कि 7 सूत्री मांगों को लेकर सरकार कुछ विचार नहीं कर रही है तो प्रदेश के कोटेदार सरकार के प्रति धरना प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे?

प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने बताया कि हम लोगों को कोरोना महामारी की वक्त अपने और अपने परिवार के प्रति जान की परवाह किए बिना हम लोग जनता का सेवा किए उसके बाद हमें यह आश्वासन दिया गया था कि आप लोगों का मांग को लेकर बहुत जल्द ही विचार किया जाएगा लेकिन सरकार के अड़ियल रवैये को देखते हुए कोटेदारों में सरकार के प्रति आक्रोश बना हुआ है ,

कोटेदारों का मांग है कि

1. समस्त प्रदेश के कोटेदारों का कमीशन 300 रू० प्रति कुन्टल किया जाय।

2. प्रदेश के कोटेदारों का पूर्व बकाया भाड़ा सन् 2001 से 2015 तुरन्त दिलाया जाय।

3. प्रदेश में सरकार द्वारा माह जून, जुलाई का खाद्यान्न पैस जमा कराकर सरकार द्वारा निःशुल्क खाद्यान्न वितरण कराया गया है और प्रदेश

भर में सरकार द्वारा अन्न महोत्सव मनाया गया, परन्तु माह जून, जुलाई की धनराशि अभी तक पूरे प्रदेश के कोटेदारों का भुगतान नही हुआ ।

4. जब ई. पास मशीन से खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा हैतो शासन द्वारा बिकी रजिस्टर और प्रमाण पत्र क्यों मांगे जा रहे हैं इसे बन्द किया जाय।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक संपूणार्नंद के सम्मान से बढा विद्यालय का मान, शिक्षक छात्रों में खुशी

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर।शिक्षक शिरोमणि देश के प्रथम उपराष्ट्रपति तथा द्वितीय राष्ट्रपति प्रख्यात दार्शनिक विद्वान डॉ०सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिन शिक्षक दिवस के मौके पर जनपद के राजकीय, सवित्त,और वित्त विहीन के करीब बारह हजार शिक्षकों में से नामचीन पचहत्तर शिक्षकों को उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए जनपद मुख्यालय स्थित जिला पंचायत सभागार में मुख्य अतिथि एम०एल०सी०विशाल सिंह चंचल, विशिष्ट अतिथि ए०डी०एम०राजेश कुमार,सहित जिलेभर के सम्मानित प्रधानाचार्यो शिक्षकों की उपस्थिति में अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।जिनमें जनपद के पश्चिमी हिस्से में स्थित जखनियां तहसील के मनिहारी विकासखंड अंतर्गत पं०मदन मोहन मालवीय इंटर कालेज सिखड़ी के विज्ञान वर्ग के विषय विशेषज्ञ अति मृदुभाषी युवा शिक्षक सम्पूणार्नंद राय का चयन और सम्मानित होना क्षेत्र के शिक्षकों और छात्रों के लिए खुशी के साथ साथ गर्व की बात है।इसी के साथ दुल्लहपुर के ही क्षेत्र से स्वर्गीय कमला पाण्डेय इंटर कालेज के शिक्षक अमित दुबे को भी सम्मानित किए जाने से लोगों में खुशी है विद्यालय परिवार दोनो के उज्जवल भविष्य की सुखद कामना करते हुए बधाई दी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विद्यालय निरीक्षक ओमप्रकाश राय ने किया।

सूबे में राजनीतिक इनकाउंटर बढ़ा : मौलाना आमिर रशादी

प्रखर खेतासराय जौनपुर। उलेमा कॉउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना आमिर रशादी ने कहा कि अब मुसलमानों की वोटों की ठेकेदारी करने वाले को सूबे की अवाम पहचान चुकी है।सपा का बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि इस पार्टी का जमीनी जनाधार खत्म हो चुका है।प्रदेश में इनकाउंटर के नाम पर पॉलिटिकल मुठभेड़ का चलन बढ़ा है।कानूनन व्यवस्था ठप है। वे खेतासराय थाना क्षेत्र में स्तिथ जमदहा गांव में एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आये थे,इस दौरान मीडियाकर्मियों से गुफ्तगू कर रहे थे।उन्होंने कहा कि योगी सरकार के जनप्रतिनिधियो का दामन साफ है अन्य लोगों को सियासी बदले भावना से जुल्म हो रहा हैं।पत्रकारों तक पर भी गुंडा एक्ट लगा दिया जा रहा है।उलेमा कौंसिल सूबे एक मजबूत गठबंधन बनाकर अपनी ताकत एहसास कराएगी। जौनपुर में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद का वह बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि सूबे में पूर्णबहुमत से सपा सरकार बनाएगी पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा का सियासी वजूद धरातल से खिसक गया है।अपने कार्यकताओं को झूठी सांत्वना दे रहे।एक सवाल के जवाब में चिंता जताते हुए आमिर रशादी ने कहा कि अब प्रदेशों के गवर्नर राजनीतिक भाषा बोलने बोलने लगे है,इस से बड़ा क्या दुर्भाग्य हो सकता है।आरक्षण के बाबत कहा कि टैलेंट को आधार बनाकर रिजर्वेशन देना चाहिए।वार्ता के दौरान मुकतदा हसन खैरी, मो आरिफ,मतिउद्दीन,मो फैजी, आदिल एडवोकेट सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय की छात्रा के साथ हुई अभद्रता के विरुद्ध में छात्र नेता रचित गुप्ता ने उठाया आवाज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लखनऊ से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है जहां अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ में कोरोना को देखते हुऐ वर्तमान सेमसेटर की इंजीनियरिंग की परीक्षा एकेटीयू विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन कराने का निर्णय लिया गया और छात्र पूरी ईमानदारी से परीक्षा दे इसलिए उनकी निगरानी के लिए प्रॉक्टर की नियुक्ति की गई जो की एकेटीयू से जुड़े विभिन्न कॉलेज के प्रोफेसर है। ऑनलाइन परीक्षा के दौरान प्रॉक्टर और छात्रों दोनो को एक दूसरे से बात करने का अधिकार दिया गया। मगर कुछ प्रॉक्टर इस सुविधा का दुरुपयोग करते हुए परीक्षा के दौरान ही विभिन्न छात्राओं को अभद्र व अशोभनीय टिप्पणी लिखकर भेजा और जवाब न देने पर छात्राओं की परीक्षा रोकने की धमकी तक दे डाला। फिलहाल ऐसे दो मामले सामने आए है मामला संज्ञान में आने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने दोषी प्रॉक्टर को नौकरी से तत्काल प्रभाव निलंबित किया और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का दिया भरोसा। लेकिन इस कारवाई से छात्र संतुष्ट नहीं दिखे इस मुद्दे पर छात्र नेता रचित गुप्ता सामने आए और मुखर आवाज मे कहा की विश्वविद्यालय की कारवाई से हम संतुष्ट नही हम यह मांग करते हैं कि दोषी प्रॉक्टर के ऊपर आई.पी.सी की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज हो और प्रशासनिक स्तर पर कठोरतम दंडात्मक कार्यवाही की जाए और किसी भी संस्थान मे उनके पढ़ने आप 8 से 10 वर्ष तक रोक लगाई जाए।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं